प्रादेशिक समाचार बुलेटिन,
आकाशवाणी, लखनऊ।

प्रसारण तिथि : 12.07.2024 प्रसारण समय : 19:20 बजे

मुख्य समाचार :–

1. प्रदेश में बाढ़ से 16 जनपदों की 18 लाख से अधिक आबादी प्रभावित : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाढ़ संबंधी कार्यों में लापरवाही बरतने वाले दस अफसरों से मांगा स्पष्टीकरण।
2. बिना सूचना के लम्बे समय तक गैरहाजिर रहने वाले विभिन्न जिलों के 17 चिकित्साधिकारियों को किया गया बर्खास्त : तीन पर हुई अनुशासनात्मक कार्रवाई।
3. पूर्व अग्निवीरों को केंद्रीय सशस्त्र बलों की भर्ती में मिलगा दस प्रतिशत आरक्षण।

और

4. मुख्यमंत्री ने लखनऊ में तीन दिवसीय उत्तर प्रदेश आम महोत्सव–2024 का किया शुभारंभः कहा– इस साल जापान और मलेशिया को 40 टन आम निर्यात करेगा उत्तर प्रदेश।

————————

प्रदेश में बारिश और बांधों से पानी छोड़े जाने के कारण 16 जनपदों के 18 लाख से अधिक आबादी बाढ़ से प्रभावित है। प्रदेश में घाघरा नदी बाराबंकी, अयोध्या और बलिया, राप्ती नदी सिद्धार्थनगर और गोरखपुर, बूढ़ी राप्ती सिद्धार्थनगर और क्वानो नदी गोंडा में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। प्रदेश में पीलीभीत, लखीमपुर, श्रावस्ती,

बलरामपुर, कुशीनगर, बस्ती, शाहजहांपुर, बाराबंकी, सीतापुर, गोंडा, सिद्धार्थनगर, गोरखपुर, मुरादाबाद, बरेली, आजमगढ़ और बलिया जनपद बाढ़ से प्रभावित है।

पोलीभीत जिले के बीसलपुर तहसील में कई गांवों में बाढ़ का पानी भर गया है, जिससे सभी संपर्क मार्गों पर आवागमन बंद है। जिला प्रशासन द्वारा प्रभावित इलाकों में राहत सामग्री का वितरण कराया जा रहा है। उधर उत्तराखंड के बैराजों से पानी छोड़े जाने क कारण बदायूं जिले की रामगंगा नदी के उफनाने से दातागंज तहसील क्षेत्र के गांव दियुरनिया, बेलाडांडी, चपरकौरा, तालिबगंज, शंकरपुर समेत दर्जन भर गांव में बाढ़ का पानी तेजी से बढ़ रहा है। ग्रामीणों ने सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन शुरू कर दिया है।

फर्रूखाबाद में आज सुबह नरौरा बांध, बिजनौर बैराज और हरिद्वार बांध से कई हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया है, जिससे गंगा और रामगंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से जिले में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है।

प्रशासन की ओर से बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों पर लगातार राहत पहुंचाई जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाढ़ संबंधी कार्यों और क्षतिग्रस्त फसलों क सर्वे में लापरवाही बरतने वाले पांच जिलों के दस अफसरों से जवाब–तलब किया है। लखनऊ, प्रतापगढ़, सीतापुर, अम्बेडकर नगर और

बलिया के एडीएम एफआर और आपदा विशेषज्ञों से स्पष्टीकरण मांगा गया है।

———————————

बिना किसी सूचना के लम्बे समय तक गैरहाजिर रहने वाले विभिन्न जिलों के 17 चिकित्साधिकारियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। कार्रवाई के निर्देश उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने प्रमुख सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य को दिये थे। तीन चिकित्साधिकारियों पर भी अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई हैं। उपमुख्यमंत्री का कहना है कि चिकित्सकीय सेवा में लापरवाही बरतने वाले किसी भी चिकित्सक या स्वास्थ्यकर्मी को बख्शा नहीं जायेगा। उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जायेगी। स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करन क लिये सेवाओं में सुधार के प्रयास किये जा रहे हैं, लापरवाह स्वास्थ्यकर्मियों पर भी शिकंजा कसा जा रहा है। इसी कड़ी में कल लम्बे समय से चिकित्सीय सेवाओं से गैरहाजिर रहने वाले 17 चिकित्सकों को ड्यूटी से बर्खास्त कर दिया गया है।

———————————

केंद्रीय कानून और संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा है कि एक जुलाई से लागू हुए तीनों नये कानून भारत के लोगों के जीवन को सरल बनायेंगे और त्वरित न्याय देने वाले साबित होंगे। कल वाराणसी

दौरे पर आए श्री मेघवाल ने कहा कि नये कानून में पुराने कानून व्यवस्था की कमियों को दूर किया गया है। साथ ही त्वरित न्याय के लिए डिजिटल प्रक्रिया पर बल दिया गया है। बाइट.....

*इतने अच्छे कानून है जिसके माध्यम से हमने कहा है इज ऑफ लिविंग ये बढ़ेगा किस–किस की पीठासीन अधिकारियों की, जो लेटीगेंट है उनकी ऐरोगेट्स की अब आप पहली बार इस नये क्रिमिनल लांस में है। कम्युनिटी सर्विसेज का कॉन्सेप्ट रखा। हमारे यहां पहले भी था। सोसायटी में देयर ऑफ एडवाजरी है प्लेटफार्म के माध्यम से जिस थाने में जाना है वो अपने आप चला लेगा और काम शुरू रहेगा। ईज आफ लिविंग नागरिकों को सुविधा और पेनडेंसरी है कैसे इनकी उसको कम करने का बहुत बड़ा माध्यम होने वाला है।*

————————

केंद्रीय बल पूर्व अग्निवीरों के लिए दस प्रतिशत आरक्षण लागू करेंगे। अग्निपथ योजना पर बहस के बीच केंद्रीय बलों ने इसकी घोषणा की है। सीमा सुरक्षा बल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, केंद्रोय औद्योगिक सुरक्षा बल तथा सशस्त्र सीमा बल के प्रमुखों ने कहा कि पूर्व अग्निवीरों को आयु में छूट मिलेगी और उनके लिए कोई शारीरिक दक्षता परीक्षा भी नहीं होगी।

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की महानिदेशक नीना सिंह ने कहा कि गृह मंत्रालय ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों

में पूर्व अग्निवीरों की भर्ती का एक बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में सभी प्रबंध कर लिए गये हैं।

*इस तैयारी के अंतर्गत अग्निवीरों के लिए कॉस्टेबल पद की भर्ती में 10 प्रतिशत पद आरक्षित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त उन्हें शारीरिक दक्षता परीक्षा में उसमें छूट प्रदान की गई है साथ ही उन्हें आयु सीमा में भी छूट प्रदान की गई है।*

सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक नितिन अग्रवाल ने कहा है कि अग्निवीर सैनिकों के रूप में तैयार हो रहे हैं और इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि इससे सभी बल लाभान्वित होंगे।

*चार साल इन्होंने मशक्कत की नौकरी की है तो बीएसएफ के लिए एकदम अनुरूप हैं ये, एक तरह से हमको तैयार सोल्जर्स मिल रहे हैं। इनको तुरंत सीमा पर तैनात करेंगे। सब बलों में इसका लाभ होगा जिसमें भी अग्निवीर जाएंगे। जितनी हमारी वैकेंसीज होंगी उनका 10 प्रतिशत इनके लिए रिजर्व होगा और इनको ऐज की भी छूट है।*

——————————

**ब्रेक**

यह समाचार आप आकाशवाणी लखनऊ से सुन रहे हैं।

ताज़ा समाचार जानने के लिये आप हमारी वेबसाइट न्यूज़ ऑन ए0आई0आर0 डॉट जी0ओ0वी0 डॉट आई0एन0 पर लॉगिन कर सकते हैं। इसके साथ ही आप प्रादेशिक समाचारों का यह बुलेटिन हमारे यूट्यूब चैनल न्यूज ऑन एआईआर लखनऊ पर भी सुन सकते हैं।

प्रादेशिक समाचारों के इस बुलेटिन में आपका फिर से स्वागत है।

————————————

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज लखनऊ में तीन दिवसीय उत्तर प्रदेश आम महोत्सव–2024 का शुभारंभ किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने जापान को आम निर्यात करने के लिए कंटेनर्स को फ्लैग ऑफ किया। साथ ही प्रगतिशील बागवानों को सम्मानित और आम महोत्सव से जुड़ी स्मारिका का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश इस साल जापान और मलेशिया को 40 टन आम निर्यात करेगा। 160 वर्ष के इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि लखनऊ का दशहरी अमेरिका को निर्यात किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों के लिए प्रदेश सरकार ने भारत सरकार के सहयोग से चार पैक हाउस बनाए हैं, जो सहारनपुर, अमरोहा, लखनऊ और वाराणसी में हैं। बाइट.....

*किसानों के लिये हम लोगों ने प्रदेश के अन्दर भारत सरकार के सहयोग से चार पैक हाउस बनाये हैं, जो सहारनपुर में हैं, अमरोहा में है, लखनऊ में है और वाराणसी में है। यहां एक नई शुरूआत है। हमें यहां की मार्केट के लिये भी आम उत्पादक करना है, लेकिन साथ–साथ दुनिया की मार्केट में भी छाना है और ये क्षमता हमारे अन्नदाता किसानों में है। हमारे यहां के औद्यानिक फसलों से जुड़े हुए जो बागवान है उनमें भी यह क्षमता है। यही कारण है केवल सवा तीन लाख हेक्टेयर में जो फसल होती है। अब*

*58 लाख मीट्रिक टन आम का उत्पादन कर देती है, यानी देश की कुछ आम उत्पादन का 25 से 30 प्रतिशत उत्पादन उत्तर प्रदेश में होता है।*

———————————

नीट पेपर लीक मामले में हजारीबाग के ओएसिस स्कूल के प्रधानाचार्य अहसानुल हक और उपप्रधानाचार्य इम्तियाज सहित चार लोगों को सीबीआई की रिमांड पूरी होने के बाद पटना के बेउर जेल भेज दिया गया है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो– सीबीआई ने 28 जून को इन्हें गिरफ्तार किया था। जांच से पता चला कि पटना में खेमनीचक प्ले स्कूल से जब्त आंशिक रूप से जले प्रश्न पत्र राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी से प्राप्त प्रश्नपत्र से मिलते हैं। इस प्रश्नपत्र की श्रृंखला को हजारीबाग के कल्लू चौक में स्थित ओएसिस स्कूल के परीक्षा केन्द्र पर भेजा गया था।

———————————

अवैध खनन पर लगाम लगाने के लिए प्रदेश में सैटेलाइट से अवैध खनन वाले क्षेत्रों की निगरानी की जाएगी। साथ ही अवध खनन में लगे वाहनों को व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम– वीटीएस प्रणाली के जरिए ट्रैक किया जाएगा। यही नहीं ईंट भट्ठों को भी रिमोट सेंसिंग के जरिए चिह्नित किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग ने इस संदर्भ में कई प्रस्ताव तैयार किये हैं। व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम के जरिए

उपखनिज का परिवहन करने वाले वाहनों की रियल टाइम ट्रैकिंग संभव हो सकेगी। दूसरी ओर विभाग पहले ही निदेशालय स्तर पर रिमोट सेंसिंग लैब को स्थापित कर चुका है। इसके जरिए नए खनन क्षेत्रों के पहचान के लिए सैटेलाइट की मदद ली जाएगी। साथ ही अवैध खनन का चिन्हांकन किया जाएगा। यही नहीं ईंट भट्ठों को भी रिमोट सेंसिंग के माध्यम से चिह्नित किया जाएगा। साथ ही ड्रोन सर्वे के जरिए खनन क्षेत्रों के सर्वे तथा खनन के स्वीकृत क्षेत्रों का पर्यवेक्षण भी किया जाएगा।

————————

नेपाल में यात्रियों से भरी दो बसों के नदी में गिरने के कारण 60 से ज्यादा लोग लापता हैं। राहत और बचाव कार्य में 70 से अधिक लोगों की टीम दुर्घटनास्थल पर लगातार काम कर रही है। उत्तर प्रदेश राहत आयुक्त कार्यालय के मुताबिक, नेपाल बस हादसे में सात भारतीय लापता हैं, जिनमें से छह के नाम जारी किए गए हैं। नेपाल के अधिकारियों ने महाराजगंज जिले के तहसीलदार नौतनवा को ये नाम दिए हैं। तहसीलदार नौतनवा के मुताबिक लापता लोग बिहार के हो सकते हैं।

————————

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन –इसरो ने अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के भूगोल विभाग में उत्तर भारत का

पहला मौसम गुब्बारा लॉन्च किया है। 35 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थापित होकर गुब्बारा 100 किलोमीटर के दायरे में मौसम का पूर्वानुमान बताएगा।

(समाप्त)